हिंदी (लोकभारती) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (मार्च 2020)

(आदर्श उत्तरों सहित)

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 80**

सूचना : *(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य : 20 अंक

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' 1930 के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास 1930 में हीं पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

तिवारी जी : क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

नागर जी : नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय 1928-1929 में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी– 'कब लौं कहौं लाठी खाय!' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) नाम लिखिए : **2**

गद्यांश में उल्लेखित –

पत्रिकाएँ –
(1) ---------
(2) ---------

उपन्यास –
(1) ---------
(2) ---------

(2) लिखिए : **2**

(i) लेखक का पहला मित्र – ------------------------------

(ii) लेखक की पहली कविता – ------------------------------

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : **2**

(i) प्रत्यययुक्त शब्द :

(1) ------------- (2) -------------

(ii) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता :

(1) ------------- (2) -------------

(4) स्वमत अभिव्यक्ति :

- **'पढ़ोगे तो बढ़ोगे' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र. 1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

> कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रुक गई। यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था। इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है। फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्राय: उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है। शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितना नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है।
>
> यों तो गोवा अपने खूबसूरत सफेद रेतीले तटों, महँगे होटलों तथा खास जीवनशैली के लिए जाना जाता है लेकिन इन सबके बावजूद यह अपने में एक सांस्कृतिक विरासत भी समेटे हुए है।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए : **2**

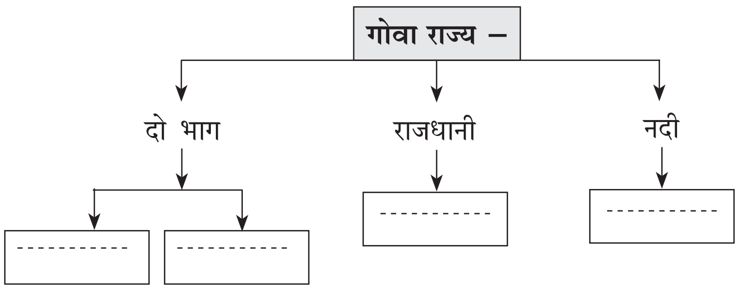

(2) उत्तर लिखिए : **2**

गद्यांश में उल्लेखित नदी की विशेषताएँ –

(i) ---------------------

(ii) ---------------------

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) अनौपचारिक × ---------------------

(2) छाँव × ---------------------

(ii) गद्यांश से अंग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) ------------- (2) -------------

(4) स्वमत अभिव्यक्ति :

- **'पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र. 1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

जापानी और चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व जीव-जन्तुओं की गतिविधियों के आधार पर चेतावनी देने का प्रयत्न किया है। वास्तव में 4 फरवरी, 1975 को चीन के हाइचेंग क्षेत्र में आए भूकंप का पूर्वानुमान चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व से मेढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आने, मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों के भौंकने और लगातार इधर-उधर भागने के आधार पर, काफी सफलतापूर्वक किया; परंतु वही वैज्ञानिक सन् 1976 के विध्वंसक भूकंप की पूर्वसूचना नहीं दे सके। महाराष्ट्र के भूकंप के पूर्व भी वहाँ के निवासियों ने ऐसा दावा किया है कि पालतू पशु विचित्र व्यवहार कर रहे थे। जीव-जन्तुओं के विचित्र व्यवहार के अतिरिक्त, भूकंप पूर्व मिलने वाले कुछ मुख्य संकेत, जिनपर वैज्ञानिक बिरादरी एकमत हैं।

(1) उत्तर लिखिए : **2**

चिनी वैज्ञानिकों द्वारा भूकंप आने के पूर्वानुमान लगाने के आधार –

(i) --------------

(ii) --------------

(2) स्वमत अभिव्यक्ति :

- **'भूकंप से होने वाली हानि से बचने के उपाय' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 2 : पद्य : 12 अंक

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : **2**

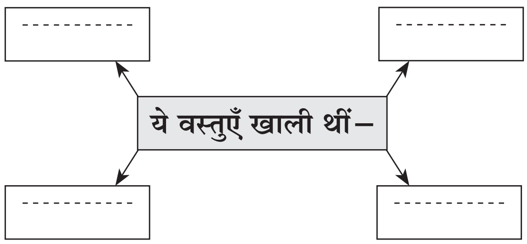

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

(i) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो : **1**

(1) टीन का पीपा – ------------- (2) कमरा – -------------

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : **1**

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला।

(3) सरल अर्थ :

- **अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।** **2**

प्र. 2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

(1) पद्यांश के आधार पर संबंध जोड़कर उचित वाक्य तैयार कीजिए : **2**

(i) जुगनू   धुंध

(ii) रोशनी   तितली

मैं

(1) -------------

(2) -------------

(2) (i) निम्नलिखित के लिए पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **1**

(1) लोगों का समूह – -------------

(2) सीप में बनने वाला रत्न – -------------

(ii) पद्यांश में आए 'पर' शब्द के अलग-अलग अर्थ लिखिए। **1**

(1) -------------

(2) -------------

(3) सरल अर्थ :

- **अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।** **2**

विभाग 3 : पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4 अंक

जिस गली में आजकल रहता हूँ – वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़ती हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं।

(1) लिखिए : 2

गद्‌यांश में उल्लेखित चिड़ियों की विशेषताएँ –

(i) -------------

(ii) ------------

(2) स्वमत अभिव्यक्ति :

- **'पक्षियों की घटती संख्या' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** 2

प्र. 3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4 अंक

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्‌टी, जिस मिट्‌टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्‌टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

(1) सूचनानुसार लिखिए : 2

(i) ऐसी पंक्ति जिसमें पौराणिक संदर्भ है – --

(ii) ऐसी पंक्ति जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ हो – --

(2) स्वमत अभिव्यक्ति :

- **'इतिहास हमें प्रेरणा देता है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** 2

विभाग 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **14 अंक**

(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : **1**

श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) वाह ! (ii) के साथ।

(3) कृति पूर्ण कीजिए : *(दो में से कोई एक)* **1**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
---------------	अंतः + चेतना	---------------------

अथवा

सज्जन	------ + ------	---------------------

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **1**

(i) टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी।

(ii) यहाँ सुबह-सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी गईं।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
---------------------------	---------------------------

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) फैलना	-----------------------	-----------------------
(ii) लिखना	-----------------------	-----------------------

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) शेखी बघारना –

(ii) निछावर करना –

अथवा

- **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :**

  (बोलबाला होना, दुम हिलाना)

  सिरचन को बुलाओ, चापलूसी करता हुआ हाजिर हो जाएगा।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए : **1**

(i) करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।

(ii) पर्यटन में बहुत ही आनंद मिला।

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : **1**

मैंने कराहते हुए पूछा ''मैं कहाँ हूँ''

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : **2**

(i) सातों तारे मंद पड़ गए। *(पूर्ण वर्तमानकाल)*

(ii) रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल होती है। *(अपूर्ण भूतकाल)*

(iii) हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। *(सामान्य भविष्यकाल)*

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : **1**

काकी बुद्धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए : **1**

(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। *(आज्ञार्थक वाक्य)*

(2) मानू इतना ही बोल सकी। *(प्रश्नार्थक वाक्य)*

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : **2**

(i) इस बार मेरी सबसे छोटि बहन पहली बार ससूराल जा रही थी।

(ii) आपने भ्रमन तो काफी की हैं।

(iii) व्यवस्थापकों और पुँजी लगाने वालों को हजारो-लाखो का मिलना गलत नहीं माना जाता।

विभाग 5 : रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र. 5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए : **26 अंक**

(अ) (1) पत्र-लेखन : **5 अंक**

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए :**

राधेय/राधा चौगुले, रामेश्वरनगर, वर्धा से दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त करने के कारण अभिनंदन करते हुए अपने मित्र/सहेली किशोर/किशोरी पाटील, स्टेशन रोड, जालना को पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अशोक/आशा मगदुम, लक्ष्मीनगर, नागपुर से व्यवस्थापक, कौस्तुभ पुस्तक भंडार, सदर बाजार, नागपुर को प्राप्त पुस्तकों संबंधी शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) गद्‌य आकलन :

- **निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्‌यांश में एक-एक वाक्य में हों :** **4 अंक**

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे – जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब कि स्वामी श्रद्‌धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वहीं राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्‌धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वहीं राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

प्र. 5. (आ)

(1) वृत्तांत-लेखन : **5 अंक**

विवेकानंद विद्‌यालय, सोलापुर में संपन्न 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का रोचक वृत्तांत-लेखन 60 से 80 शब्दों में लिखिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी-लेखन :

- **निम्नलिखित मुद्‌दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :**

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी लोग परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – गाँव के तालाब की सफाई – कीचड़, प्लास्टिक निकालना – बरसात में तालाब का स्वच्छ पानी से भरना।

(2) विज्ञापन-लेखन :

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :** **5 अंक**

स्कूल बस के लिए ड्राइवर चाहिए

शैक्षिक अर्हता	अनुभव	व्यावसायिक अर्हता	वेतन	संपर्क : महात्मा हिंदी विद्यालय पुणे। मो.नं. 2332422409

प्र. 5. (इ) निबंध-लेखन : **7 अंक**

- **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(1) मेरा भारत देश। (2) पर्यावरण संतुलन। (3) पुस्तक की आत्मकथा।

बोर्ड की कृतिपत्रिका के उत्तर (मार्च 2020)

प्र. 1. (अ)

(1) **गद्यांश में उल्लेखित –**

- पत्रिकाएँ –
  - (1) सरस्वती
  - (2) गृहलक्ष्मी।
- उपन्यास –
  - (1) आनंदमठ
  - (2) देवी चौधरानी।

(2) (i) छापे के अक्षर।

(ii) कब लौं कहौं लाठी खाय।

(3) (i) (1) राजस्थानी – राजस्थान + ई।

(2) विलायती – विलायत + ई।

(ii) (1) घर।

(2) मित्र।

(4) जीवन में शिक्षा का बहुत महत्त्व है। पढ़ाई-लिखाई से ही बुद्धि का विकास होता है। बड़े-बड़े पदों पर आसीन व्यक्ति पढ़ाई के बल पर ही शीर्ष पर पहुँचे हैं। जीवन में मनुष्य को जीविकोपार्जन के लिए कोई-न-कोई काम करना ही पड़ता है। धंधा-व्यवसाय करना हो, नौकरी करनी हो या अन्य छोटा-मोटा काम करना हो, शिक्षा प्रत्येक स्थान पर आवश्यक होती है। शिक्षा प्राप्त करने पर ही कोई व्यक्ति एक आदर्श, जागरूक एवं सफल नागरिक बन सकता है और अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों को पूरी तरह निभा सकता है। शिक्षा हर तरह के शोषण से व्यक्ति की रक्षा करती है। शिक्षा से ही मनुष्य में उचित-अनुचित में भेद करना आता है। शिक्षित मनुष्य अपने साथ-साथ दूसरों को भी उन्नति की ओर ले जाता है। आज देश में उत्तम शिक्षा प्रदान करने की सर्वत्र पर्याप्त व्यवस्था की गई है। हमें इसका लाभ उठाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपनी सामर्थ्य के अनुसार शिक्षा अवश्य प्राप्त करे और जीवन में आगे बढ़े।

प्र. 1. (आ)

(1) **गोवा राज्य –**

- दो भाग
  - दक्षिण गोवा जिला
  - उत्तर गोवा जिला
- राजधानी
  - पणजी
- नदी
  - मांडवी नदी

(2) (i) काफी बड़ी है।

(ii) वर्ष भर पानी से भरी रहती है।

(3) (i) (1) अनौपचारिक × औपचारिक।

(2) छाँव × धूप।

(ii) (1) रिसॉर्ट।

(2) स्यूट।

(4) पर्यटन का अर्थ है मन बहलाव के लिए अथवा किसी अन्य उद्देश्य के लिए किसी मनपसंद स्थान पर घूमने-फिरने के लिए जाना और आनंद लेना। पर्यटन से जहाँ मन बहलाव होता है और स्वास्थ में सुधार होता है, वहीं यह ज्ञान वृद्धि का भी अच्छा साधन है। पर्यटन स्थल पर तरह-तरह की नई-नई चीजें, प्राकृतिक दृश्य, विभिन्न कलाकृतियाँ तथा नए-नए आविष्कार देखने को मिलते हैं। इससे एक-दूसरे के रहन-सहन, उनके रीति-रिवाज और परंपराओं, संस्कृतियों, तीज-त्योहारों, खान-पान आदि के अलावा वहाँ की आर्थिक, सामाजिक एवं औद्योगिक विकास के बारे में जानकारी मिलती है। व्यवसायियों के लिए तो पर्यटन लाभ का सौदा होता है। कुछ लोगों को अपनी चीजों के लिए नए बाजार मिलते हैं, तो कुछ लोगों को नई वस्तुएँ बनाने की प्रेरणा मिलती है। पर्यटन का व्यवसाय कुछ लोगों के लिए आय का स्रोत बन गया है तो किसी के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान का जरिया है। इसीलिए प्राचीन काल से हमारे देश में पर्यटन का बड़ा महत्त्व रहा है। चार धाम की यात्रा पर्यटन का ही एक रूप है। इस तरह पर्यटन निश्चित रूप से ज्ञान वृद्धि का साधन है। इसे ज्ञानार्जन की दृष्टि से देखने की जरूरत है।

प्र. 1. (इ)

(1) (i) भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व से मेढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आना।

(ii) मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों का भौंकना और लगातार इधर-उधर भागना।

(2) भूकंप एक भयानक आपदा है। इसे टाला नहीं जा सकता है, पर कुछ सावधानियाँ बरतने पर इससे होने वाली क्षति से थोड़ा-बहुत बचाव अवश्य किया जा सकता है।

भूकंप आने पर सबसे पहले जल्द से जल्द घर या कार्यालय से बाहर भाग कर खुले स्थान में चला जाना चाहिए। किसी भवन या घर के आसपास नहीं खड़ा होना चाहिए। इससे भूकंप आने पर मकान का कोई हिस्सा ऊपर गिरने का अंदेशा होता है। ऊँची बिल्डिंगों से बाहर जाने के लिए हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करना चाहिए। लिफ्ट का भूल कर भी उपयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि भूकंप से बिजली खंडित होने पर लिफ्ट में फँस जाने का खतरा होता है। घर की खिड़कियाँ और दरवाजे खुले रखने चाहिए। घर से बाहर जाते समय घर के बिजली के सभी स्विच बंद कर देने चाहिए। उँची इमारतों में जल्दी मकान के बाहर जाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी हालत में घर में मेज या अन्य किसी फर्नीचर के नीचे बैठ जाना चाहिए, ताकि छत से कोई चीज गिरे, तो उससे बचाव हो सके। आवश्यक होने पर मोबाइल के लाइट का उपयोग करना चाहिए। इस तरह से भूकंप से होने वाली हानि से कुछ बचाव हो सकता है।

प्र. 2. (अ)

(1) **ये वस्तुएँ खाली थीं –**

- रसोई की पीपियाँ
- बच्चों की गुल्लक
- कनस्तर
- मटके

(2) (i) (1) टीन का पीपा – कनस्तर (2) कमरा –शयन कक्ष।

(ii) उन्होंने टूटी अलमारियों को खोला।

(3) कवि कहते हैं कि उन्होंने रसोई घर में पड़ी हुई खाली पीपियों को टटोला, बच्चों की गुल्लक तक को खोल-खोल कर देख डाला, पर उन्हें कहीं कुछ भी न मिला। सब कुछ खाली था।

उन्होंने उनके घर में पड़े हुए कनस्तरों तथा पानी रखने के मटकों तक को टटोल कर देख लिया, पर उन्हें सब खाली-खाली मिले।

प्र. 2. (आ)

(1) (i) मैं धुंध में जुगनू के प्रकाश की तरह हूँ।

(ii) मैं रोशनी में तितली की तरह फूलों पर मँडराती हूँ।

(2) (i) (1) भीड़।

(2) मोती।

(ii) (1) किंतु, लेकिन।

(2) पंख।

(3) कवि कहते हैं कि कली का फूल बनना स्वाभाविक प्रक्रिया है। पर यदि कोई कली फूल बनने से डर रही हो तो... कली जानती है कि उसके खिलते ही तितली उसका रस चूसने के लिए आएगी और फूल बनी कली को परेशान करेगी। तुम उस खिलते हुए फूल के लिए अपशकुन बन कर उसे डराने का काम मत करो। अर्थात, तुम उसके लिए परेशानी का कारण मत बनो। तुम उसे डराओ मत। उसके डर को दूर करने में उसकी मदद करो।

यह संसार मनुष्यों का एक सागर है। भीड़ में अनगिनत चेहरे हर तरफ दिखाई देते हैं। हे ईश्वर, मैं चाहता हूँ कि मैं जिसे भी देखूँ, मुझे उसी में तुम नजर आओ। तुम तो सर्वव्यापक हो।

प्र. 3. (अ)

(1) (i) चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठी या आसमान में उड़ती हुई नहीं दिखतीं।

(ii) चिड़ियाँ बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी होती हैं, पर आपस में बातचीत करती या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं।

(2) एक समय था जब सुबह उठने के साथ ही पक्षियों की चहचहाहट मन को मोह लेती थी। छोटी-बड़ी कई तरह की चिड़ियाँ द्वार पर फुदकती हुई दिखाई देती थीं। पर आज इनका दर्शन भी दूभर हो गया है। कहीं कोई चिड़िया दिखाई दे जाती है, तो मन खुशी से भर उठता है।

पक्षियों की घटती संख्या का मुख्य कारण पेड़ों की अंधाधुंध कटाई है। पक्षी पेड़ों पर घोंसला बनाते थे, पेड़ों का फल खाते थे और पेड़ों की हरियाली में मस्त होकर एक डाल से दूसरी डाल पर चहकते हुए उड़ते फिरते थे। मनुष्य की बढ़ती संख्या के कारण वन के वन साफ हो गए। बाग-बगीचे काट कर खेत बना लिए गए। पेड़ों के विनाश का भयंकर परिणाम हुआ है। पक्षियों के समक्ष चारे की भीषण समस्या है। पेड़ों के फल पक्षियों का मुख्य आहार हैं। फल उनके लिए दुर्लभ हो गए। इसके अलावा पक्षी खेतों में पाए जाने वाले कीड़ों-मकोड़ों को खाकर फसल की रक्षा करते थे। पर कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से वे भी नहीं रहे। इसलिए दिनोदिन पक्षियों की संख्या घटती जा रही है। गौरैया चिड़िया की प्रजाति विनाश के कगार पर है। यदि पक्षियों को बचाने का प्रयास न किया गया, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हम उन्हें देखने के लिए तरसेंगे। आवश्यकता है, उनके लिए बनावटी घरौंदे बनाने और उनके लिए पानी और चुनने के लिए चुग्गे की व्यवस्था करने की।

प्र. 3. (आ)

(1) (i) यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।

(ii) शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

(2) इतिहास का अर्थ है अतीत से अब तक घटित घटनाओं या उससे संबंध रखने वाले व्यक्तियों का कालक्रम के अनुसार वर्णन। प्रत्येक देश का इतिहास कुछ गौरवशाली होता है और किन्हीं कारणों से मिली कुछ असफलताओं के वर्णनवाला भी होता है। इन दोनों प्रकार की घटनाओं की जानकारी हमें इतिहास से मिलती है। इतिहास हमें अपने देश के वीरों के पराक्रम का गुणगान करने की प्रेरणा देता है तो कुछ गलतियों के कारण प्राप्त असफलताओं को सुधारने की प्रेरणा भी देता है। ताकि भविष्य में इस तरह की गलतियों से हम बच सकें।
इतिहास एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें हमारी अच्छाइयों और बुराइयों दोनों का निष्पक्ष कच्चा-चिट्ठा होता है। इससे किसी देश की जनता और सरकार दोनों कों ही प्रेरणा मिलती है।

प्र. 4.

(1) कम – विशेषण।

(2) (i) <u>वाह</u>! क्या बात कही है आपने।

(ii) रतन अपने भाई <u>के साथ</u> पुणे गया।

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
<u>अंतश्चेतना</u>	अंतः + चेतना	<u>विसर्ग संधि</u>

अथवा

सज्जन	<u>सत् + जन</u>	<u>व्यंजन संधि</u>

(4)

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
(i) पड़ी	पड़ना
(ii) गईं	जाना

(5)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) फैलना	फैलाना	फैलवाना
(ii) लिखना	लिखाना	लिखवाना

(6) (i) शेखी बघारना – **अर्थ :** आत्मप्रशंसा करना।

वाक्य : कुछ लोगों को शेखी बघारने की आदत होती है।

(ii) निछावर करना – **अर्थ :** त्यागना।

वाक्य : चंद्रशेखर आजाद ने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जान निछावर कर दी।

अथवा

सिरचन को बुलाओ, दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा।

(7)

	कारक चिह्‌न	कारक भेद
(i)	ने	कर्ता कारक
(ii)	में	अधिकरण कारक

(8) मैंने कराहते हुए पूछा, ''मैं कहाँ हूँ ?''

(9) (i) सातों तारे मंद पड़ गए हैं।

(ii) रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल हो रही थी।

(iii) हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देंगे।

(10) (i) मिश्र वाक्य।

(ii) (1) तुम अपना ख्याल रखो।

(2) क्या मानू इतना ही बोल सकी ?

(11) (i) इस बार मेरी सबसे छोटी बहन ससुराल जा रही थी।

(ii) आपने भ्रमण तो काफी की है।

(iii) व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता।

प्र. 5. (अ), (आ) तथा (इ)...

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्‌यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्‌यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्‌यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्‌वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्‌यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।

हिंदी (लोकभारती) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (नवंबर 2020)

(आदर्श उत्तरों सहित)

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 80**

सूचना : *(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य : 20 अंक

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली – ''मेरी मानो तो इसे बेच दो।''

''फिर बेचने की बात करती हो...? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।''

''रहमान कुछ कह तो रहा था, उसे कुछ लोग खरीद लेंगे। उसने किसी से कहा भी है। शाम को वह तुमसे मिलने भी आएगा।''

करामत अली सुनकर खामोश रह गया। उसे लग रहा था, सब कुछ उसकी इच्छा के विरुद्ध जा रहा है, शायद जिस पर उसका कोई वश नहीं था।

करामत अली यह अनुभव करते हुए कि लक्ष्मी की चिंता अब किसी को नहीं है, खामोश रहा। उठा और घर में जो सूखा चारा पड़ा था, उसके सामने डाल दिया।

लक्ष्मी ने चारे को सूँघा और फिर उसकी तरफ निराशापूर्ण आँखों से देखने लगी। जैसे कहना चाहती हो, मालिक यह क्या? आज क्या मेरे फाँकने को यह सूखा चारा ही है। दर्रा-खली कुछ नहीं।

करामत अली उसके पास से उठकर मुँह-हाथ धोने के लिए गली के नुक्कड़ पर नल की ओर चला गया।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : **2**

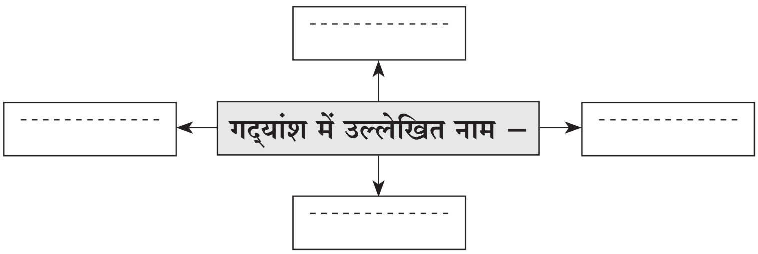

(2) प्रतिक्रियाएँ लिखिए : **2**

(i) लोगों द्वारा लक्ष्मी को खरीदने की बात सुनने पर करामत अली की ------------------------------

(ii) करामत अली द्वारा लक्ष्मी को सूखा चारा देने पर लक्ष्मी की ------------------------------

(3) **निम्नलिखित शब्द के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :** 2

	शब्द	**अर्थ**	**वाक्य**
(i)	चारा	----------	----------
(ii)	चारा	----------	----------

(4) 'जानवर भी संवेदनशील होते हैं' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 8 अंक

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरंभ में पढ़ाई या उद्‌योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्‌योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसा एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि उन्हें परेशानी हो।

संस्था चलाने का भार तो आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी क्योंकि उनमें कई तो कुशल होंगी। बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें।

(1) कारण लिखिए : 2

(i) आश्रम में भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा ---------------------

(ii) संस्था चलाने का भार आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी ---------------------

(2) उत्तर लिखिए : 2

परेशान महिलाओं को आश्रम से मिलने वाली सुविधाएँ :

(i) ---------------------

(ii) ---------------------

(3) निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए : 2

शब्द : सादगी, पढ़ाई, परेशानी, उपयोगी।

तालिका :

कृदंत शब्द	तद्‌धित शब्द
----------------------------	----------------------------
----------------------------	----------------------------
----------------------------	----------------------------
----------------------------	----------------------------

(4) वर्तमान समाज में आश्रमों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4 अंक

सन् 1897 में भारत में महामारी का प्रकोप हुआ। स्वामी विवेकानंद ने देश सेवा-व्रती संन्यासियों की एक छोटी-सी मंडली बनाई। यह मंडली तन-मन से दीन-दुखियों की सेवा करने लगी। ढाका, कोलकाता, चेन्नई आदि में सेवाश्रम खोले गए। वेदांत के प्रचार के लिए जगह-जगह विद्‌यालय स्थापित किए गए। कई अनाथालय भी खोल दिए गए।

ये सभी कार्य स्वामी जी के निरीक्षण में हो रहे थे। उनका स्वास्थ्य काफी बिगड़ गया था, फिर भी वह स्वयं घर-घर घूमकर पीड़ितों को आश्वासन तथा आवश्यक सहायता देते रहते थे। जिन मरीजों को देखकर डॉक्टर भी भाग जाते थे, उनकी सहायता करने में स्वामी जी और उनके अनुयायी कभी पीछे नहीं हटे।

(1) तालिका पूर्ण कीजिए : 2

गद्‌यांश में वर्णित स्वामी विवेकानंद जी के कार्य :

----

(2) 'सेवाभाव का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 : पद्‌य : 12 अंक

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 6 अंक

हरि बिन कूण गती मेरी।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।।
आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी।।

(1) निम्नलिखित विधान सही हैं अथवा गलत हैं, लिखिए : 2

(i) मीराबाई के प्रभु उसके पालनहार हैं।

(ii) मीराबाई अपने आप को प्रभु की दासी नहीं कहती।

(iii) संसार रूपी सागर विकारों से भरा है।

(iv) संत मीराबाई अपने प्रभु की राह देख रही है।

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : **2**

विलोम शब्द जोड़ी	समानार्थी शब्द जोड़ी
.... ×	.... = ...

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

प्र. 2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें-तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें
ओ मुझ पर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालो
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

(1) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए : **2**

(i) अपनी गंध न बेचने वाला –

(ii) फूल को अरुणाई देने वाली –

(iii) फूल को गोद में खिलाने वाली –

(iv) चौकी देकर फूल की जान बचाने वाले –

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : **1**

शब्द	लिंग
सौगंध	....
फागुन	....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन करके लिखिए : **1**

पंखुरियाँ	....
....	रिश्ता

(3) उपर्युक्त पद्यांश की क्रमशः किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 : पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

> सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त। ... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता – ''फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।''
>
> बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर! दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता।
>
> सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ।

(1) उत्तर लिखिए : **2**

(i) **सिरचन को आकर्षित करने वाली चीजें –**

- -------------
- -------------

(ii) **सिरचन के स्वयं के बारे में विचार –**

- -------------
- -------------

(2) 'कार्य में तन्मयता लाती है सफलता' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र. 3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...
बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं, जिस धरती की बातें क्या कहिए।

(1) उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए। **2**

----

(2) 'शेखी बघारना बुरी आदत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **14 अंक**

(1) निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : **1**

उन्होंने टूटी अलमारी खोली।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) प्रायः (ii) अरे!

(3) कृति पूर्ण कीजिए : *(दो में से कोई एक)* **1**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि-भेद
निस्संदेह	------ + ------	---------------------

अथवा

----------	भानु + उदय	---------------------

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : **1**

(i) मैं गोवा को पूरी तरह नहीं समझ पाया।

(ii) काकी घटनास्थल पर आ पहुँची।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
--------------------	---------------------
---------------------	---------------------

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए : **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) फैलना	----------------------	----------------------
(ii) भूलना	----------------------	----------------------

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) ठेस लगना –	-------------------------	-----------------------
(ii) कलेजे में हूक उठना –	-------------------------	-----------------------

अथवा

- **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :**

  (बोलबाला होना, प्रशंसा करना)

  आजकल मोबाइल का प्रभाव है।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए : 1

(i) हमारे शहर में एक कवि हैं।

(ii) उन्हें पुस्तक ले आने के लिए कहा।

कारक चिह्न	कारक भेद
(i) --------------	---------------------
(ii) --------------	---------------------

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

मैंने कराहते हुए पूछा ''मैं कहाँ हूँ''

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : 2

(i) हमारे शहर में तो दो रुपये में मिलता है। *(अपूर्ण वर्तमानकाल)*

(ii) मुझे जीवन को सहज और खुले ढंग से जीना है। *(पूर्ण भूतकाल)*

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। *(सामान्य भविष्यकाल)*

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : 1

हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए : 1

(1) कितनी निर्दयी हूँ मैं। *(विस्मयार्थक वाक्य)*

(2) सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया। *(प्रश्नार्थक वाक्य)*

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : 2

(i) रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।

(ii) लड़के के तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।

(iii) कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला के पुस्तक पड़ने लगे।

विभाग 5 : रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र. 5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए : 26 अंक

(अ) (1) पत्र-लेखन : 5 अंक

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए :**

राज/राजश्री अगरवाल, 20, वरद सोसायटी, सायन, पूर्व, मुंबई से अपने दादा जी रमेश अगरवाल, राधा निवास, आदर्श कॉलोनी, संगमनेर को 75 वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मयूरा/मयूर त्रिवेदी, 12, मॉडेल कॉलोनी, शास्त्री नगर, नारायणगाँव से व्यवस्थापक, विजय पुस्तकालय, म. गांधी पथ, राजगुरु नगर को सूचीनुसार पुस्तकें प्राप्त न होने की शिकायत करते हुए पत्र लिखती/लिखता है।

(2) गद्य आकलन–प्रश्ननिर्मिति :

- **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :** **4 अंक**

हर्ता मूलर को 2009 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। उनका जन्म रोमानिया में हुआ। बचपन में उन्हें गाय चराने भेज दिया जाता, जहाँ उनके पास कोई खास काम नहीं होता। वह जिन फूलों को इकट्ठा करती, उन्हें कोई न कोई नाम देती, आकाश में धीमे-धीमे उड़ते बादलों की आकृति को किसी व्यक्ति का नाम देती और खुश होती। उन दिनों वह सोच भी नहीं सकती थी कि एक दिन उसे साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। वह ज्यादा से ज्यादा अपनी चाची की तरह एक महिला दर्जी बनने के बारे में सोच सकती थी। उन दिनों वहाँ निकोलाई चाउसेस्की का तानाशाही शासन था और उसके परिवार पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी। शासन का एक भय लोगों में बना रहता था।

प्र. 5. (आ)

(1) वृत्तांत-लेखन : **5 अंक**

प्रगति विद्यालय, वर्धा में मनाए गए 'बालिका दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी-लेखन :

- **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :**

एक गाँव – अस्वच्छता के कारण लोगों का बीमार होना – गाँव के युवा दल द्वारा कूड़ा-कचरा एकत्रित करना – नई योजना बनाना – खाद तैयार करके लोगों में बाँटना – गाँव का रूप बदलना – गाँव को पुरस्कार प्राप्त होना।

(2) विज्ञापन-लेखन :

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :** **5 अंक**

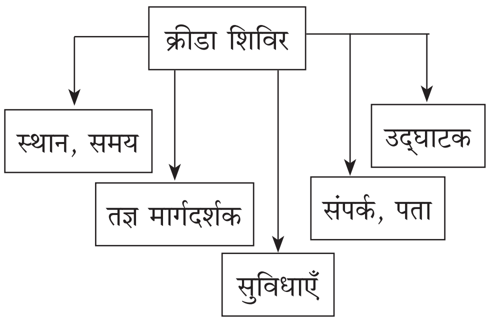

प्र. 5. (इ) निबंध-लेखन : **7 अंक**

- **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(1) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ... (2) काश! बचपन लौट आता... (3) अनुशासन का महत्त्व।

बोर्ड की कृतिपत्रिका के उत्तर (नवंबर 2020)

प्र. 1. (अ)

(1) **गद्यांश में उल्लेखित नाम –**
- करामत अली (पिता)
- रहमान (पुत्र)
- लक्ष्मी (गाय)
- रमजानी (माँ)

(2) (i) करामत अली खामोश रह गया।

(ii) लक्ष्मी ने चारे को सूँघा और फिर उसकी तरफ निराशापूर्ण आँखों से देखने लगी।

(3)

	शब्द	**अर्थ**	**वाक्य**
(i)	चारा	घास	किसान ने बैलों को चारा खिलाया।
(ii)	चारा	उपाय	नौकर को अपनी गलती के लिए माफी माँगने के सिवा और कोई चारा नहीं था।

(4) जानवर मूक प्राणी होते हैं। मनुष्य और जानवर में बहुत समानताएँ हैं। मनुष्य की तरह ही वे भी संवेदनशील होते हैं। अपना बुरा-भला वे भी पहचानते हैं। अपना हित चाहने वालों से वे भी लगाव रखते हैं। जानवरों को पुचकारने अथवा उनके शरीर पर हाथ फेरने से जानवरों को भी अच्छा लगता है। वे अपनी यह खुशी अपने हाव-भाव से प्रकट करते हैं। आदमियों की तरह उनमें भी सहृदयता होती है। इसी तरह प्रताड़ित किए जाने पर वे भी भयभीत होते हैं, छटपटाते हैं। मूक होने के कारण वे अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं कर पाते, पर अपने हाव-भाव से अपना सुख-दुख वे व्यक्त कर देते हैं। वे अपने हितैषी के लिए अपनी जान पर खेलकर उसकी रक्षा करते हैं, तो अपने को प्रताड़ित करने वाले से डर कर दूर भागते हैं। अच्छी और खराब खुराक वे भी पहचानते हैं। पालतू पशु तो मनुष्य के परिवार के सदस्य जैसे होते हैं। लोगों के साथ उनका भावनात्मक लगाव हो जाता है। हमें जानवरों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उनकी भावनाओं को समझना चाहिए।

प्र. 1. (आ)

(1) (i) कारण आश्रम किसी एक-एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

अथवा

आश्रम को सभी धर्म मान्य होंगे।

(ii) कारण उनमें कई तो कुशल होंगी।

(2) परेशान महिलाओं को आश्रम से मिलने वाली सुविधाएँ –

(i) वे बेखटके अपने खर्च से रह सकेंगी।

(ii) वे जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकेंगी।

(3)

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द
पढ़ाई	सादगी
	परेशानी
	उपयोगी

(4) हमारे देश में आश्रमों की कल्पना बहुत प्राचीन काल से चली आ रही है। राजा-महाराजा बूढ़े हो जाने पर राज-पाट छोड़कर वानप्रस्थ आश्रम अपना लेते थे और अपना शेष जीवन जंगलों में कुटी बनाकर सामान्य मनुष्य की तरह बिताया करते थे। पर आज वैसा समय नहीं रहा और राजा-महाराजा भी नहीं रहे। अब समाज में नई तरह की समस्याएँ खड़ी हुई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। पति-पत्नी में संबंध-विच्छेद हो रहे हैं। इसका प्रभाव बच्चों पर पड़ रहा है। ऐसे में बच्चे घर से भागते हैं। वृद्ध माता-पिता बेटे-बहू के लिए भार लगने लगते हैं। इन सब समस्याओं ने आधुनिक ढंग के आश्रमों को जन्म दिया है। इसके परिणामस्वरूप आज देश में वृद्धाश्रम, महिला आश्रम तथा बाल-आश्रम (बाल सुधारगृह) जैसे आश्रमों का निर्माण किया जा रहा है। इन आश्रमों में तिरस्कृत, उपेक्षित और परित्यक्त बच्चों, महिलाओं और वृद्धों को सहारा मिलता है। इन आश्रमों में इन्हें अपना सुरक्षित जीवन जीने का अवसर मिलता है। आश्रम आज के समय की आवश्यकता हैं। यही कारण है कि वर्तमान समाज मे आश्रमों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

प्र. 1. (इ)

(1)

गद्यांश में वर्णित स्वामी विवेकानंद जी के कार्य :
• सेवाव्रती संन्यासियों की मंडली बनाई। • दीन-दुखियों की सेवा की। • सेवा आश्रम खोल दिए। • अनाथालय खोल दिए।

(2) दुनिया में ऐसे असंख्य लोग हैं, जो तरह-तरह के असाध्य रोगों एवं दिल दहला देने वाले कष्टों से पीड़ित हैं। इनमें से अनेक लोग ऐसे हैं, जिनका कोई सहारा नहीं है। जिनके पास डॉक्टर भी फटकने की हिम्मत नहीं करते। समाज इन्हें भगवान के भरोसे छोड़ देता है। पर ऐसे में भी कुछ ऐसी महान विभूतियाँ होती हैं, जिनसे इन प्राणियों का कष्ट देखा नहीं जाता और वे इन बेसहारा लोगों को सहारा देने दौड़ पड़ते हैं। ये जी-जान से उनकी सेवा में जुट जाते हैं और उस सेवा को ही अपना एकमात्र लक्ष्य बना लेते हैं। ऐसे दयालु सेवकों की सेवा से असाध्य रोगों से तड़पते हुए लोगों के जीवन में नवीन आशा का संचार होता है। ये सेवाभावी लोग बेसहारा दीन-दुखियों के जीवन में फरिश्ता बन कर अवतरित होते हैं। स्वामी विवेकानंद, गाडगे महाराज, मदर टेरेसा, बाबा आमटे आदि ऐसे ही फरिश्ते हैं। मानव जीवन का उद्देश्य दूसरों की मदद करना है। दीन-दुखियों की सेवा ईश्वर की सेवा करने के समान माना गया है।

संकट या आपदा के समय एक देश दूसरे देश की मदद के लिए आ खड़े होते हैं। इस विचारधारा में भी सेवा भावना ही प्रमुख है।

इस तरह सेवा भावना का बहुत महत्त्व है।

प्र. 2. (अ)

(1) (i) सही।

(ii) गलत।

(iii) सही।

(iv) सही।

(2)

विलोम शब्द जोड़ी	समानार्थी शब्द जोड़ी
आदि × अंत	दासी = चेरी

(3) हे हरि, आपके बिना मेरा कौन है? अर्थात आपके सिवा मेरा कोई ठिकाना नहीं है। आप ही मेरा पालन करने वाले हैं और मैं आपकी दासी हूँ। मैं रात-दिन, हर समय आपका ही नाम जपती रहती हूँ। मैं बार-बार आपको पुकारती हूँ, क्योंकि मुझे आपके दर्शनों की तीव्र लालसा है।

प्र. 2. (आ)

(1) (i) अपनी गंध न बेचने वाला – फूल।

(ii) फूल को अरुणाई देने वाली – कोंपल।

(iii) फूल को गोदी में खिलाने वाली – डाली।

(iv) चौकी देकर फूल की जान बचाने वाले – काँटे।

(2) (i)

शब्द	लिंग
सौगंध	स्त्रीलिंग
फागुन	पुल्लिंग

(ii)

पंखुरियाँ	पंखुरी
रिश्ते	रिश्ता

(3) जिस डाली ने ---------------------- पंखुरियों के रिश्ते जोडें।

फूल कहता है कि पौधे की जिस डाल ने उसे अपनी गोद में खिलाया था, जिन कोंपलों ने उसे लालिमा प्रदान की थी और जिन काँटों ने लक्ष्मण जी की तरह पहरा देकर उसे तोड़े जाने से बचाया था, उन्हें वह कभी भूल नहीं सकता। उनका वह ऋणी है और उस पर पहला अधिकार इन्हीं का है। वे चाहे उसे नोचें या तोड़ें, वह उफ तक नहीं करेगा। वह कहता है कि वे चाहे मुझे तोड़कर किसी मालिन को दे दें, तो भी मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

प्र. 3. (अ)

(1) (i) **सिरचन को आकर्षित करने वाली चीजें –**

- दही की कढ़ी
- मलाई वाला दूध

(ii) **सिरचन के स्वयं के बारे में विचार –**

- वह मुँहजोर है
- कामचोर नहीं

(2) कोई कार्य करने और तन्मयता से काम करने दोनों में फर्क होता है। साधारण ढंग से कोई कार्य करना किसी काम को जैसे-तैसे पूरा कर देना होता है। जबकि तन्मयता से काम करने का मतलब है किसी काम को रुचि से, उसके प्रत्येक अंग पर बारीकी से ध्यान देकर श्रेष्ठतम ढंग से करना। इस तरह का काम तब होता है, जब काम करने वाला व्यक्ति उसमें तल्लीन हो कर काम करता है। तल्लीनता से काम करने पर व्यक्ति में विपुलता आती है और वह अपने काम में विशेषतज्ञा प्राप्त कर लेता है। विशेषज्ञ व्यक्ति अपने क्षेत्र के सफल व्यक्ति कहे जाते हैं। ऐसे सफल व्यक्ति शिक्षा, राजनीति व्यवसाय, तकनीक और समाज सब जगह दिखाई देते हैं। ये सब अपने क्षेत्र में तल्लीनता से कार्य करने के कारण सफल हुए हैं। इनसे हमें शिक्षा लेनी चाहिए और अपना काम तल्लीनता से करना चाहिए।

प्र. 3. (आ)

(1) वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ –

(i) शेरों के जबड़े खुलवा कर, थे जहाँ भरत दँतुली गिनते,

(ii) जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

(2) शेखी बघारने का मतलब है हर किसी के सामने बढ़-चढ़कर अपनी बड़ाई करना। कुछ लोगों को शेखी बघारने की आदत होती है। उनमें कोई काबिलियत हो या न हो, वे हर मिलने-जुलने से अपनी बड़ाई करने से नहीं चूकते। शेखी बघारने वालों से लोग कन्नी काटते हैं, पर उन्हें इसकी परवाह नहीं होती। वे अपनी आदत से बाज नहीं आते। मौका मिलते ही अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने से नहीं चूकते। धीरे-धीरे लोग उनसे दूरी बना लेते हैं। यह बात शेखी बघारने वाले लोगों को सोचनी चाहिए और शेखी बघारने की अपनी बुरी आदत से बाज आना चाहिए।

प्र. 4.

(1) टूटी – विशेषण।

(2) (i) उन्हें प्रायः बुरे सपने आया करते हैं।

(ii) अरे! अब तक आप यहीं हैं?

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निस्संदेह	निः + संदेह	विसर्ग संधि.

अथवा

भानूदय	भानु + उदय	स्वर संधि

(4)

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
(i) पाया	पाना
(ii) पहुँची	पहुँचना

(5)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) फैलना	फैलाना	फैलवाना
(ii) भूलना	भुलाना	भुलवाना

(6) (i) ठेस लगना – **अर्थ :** बुरा अनुभव होना/दुखी होना।

वाक्य : आत्मसम्मान को ठेस लगने पर कोई भी तिलमिला जाता है।

(ii) कलेजे में हूक उठना – **अर्थ :** मन में वेदना उत्पन्न होना।

वाक्य : बार-बार अपमानित किए जाने पर मुनीम जी के कलेजे में हूक उठने लगी।

अथवा

● आजकल मोबाइल का बोलबाला है।

(7)

कारक चिह्न		कारक भेद
(i)	में	अधिकरण कारक
(ii)	के लिए	संप्रदान कारक

(8) मैंने कराहते हुए पूछा, ''मैं कहाँ हूँ?''

(9) (i) हमारे शहर में तो दो रुपयों में मिल रहा है।

(ii) मैंने जीवन को सहज और खुले ढंग से जिया था।

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाऊँगा।

(10) (i) सरल वाक्य।

(ii) (1) अरे रे! कितनी निर्दयी हूँ मैं।

(2) क्या सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया?

(11) (i) रंगीन फूलों की माला बहुत सुंदर लग रही थी।

(ii) लड़के की तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कुछ कहना चाहा।

(iii) कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला की पुस्तक पढ़ने लगे।

प्र. 5. (अ), (आ) तथा (इ)...

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्‌वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।

* * *